5. Write short notes on any **two** of the following : 8+8=16

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

jñānayoga, Bhaktiyoga, īśvara

ज्ञानयोग, भक्तियोग, ईश्वर

ātmasvarūpa as described in śrīmadbhagavadgītā.

श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित आत्मस्वरूप

6. Write short notes on any **two** of the following : 9+9=18

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

īśāvāsyopaniṣad, sṛṣṭi, vidyā-avidyā, saṃbhūti-asaṃbhuti

ईशावास्योपनिषद्, सृष्टि, विद्या-अविद्या, संभूति-असंभूति

7. Provide the grammatical introduction of any **four** bold and underlined words from question numbers **2** and **4**. 1×4=4

प्रश्न संख्या **2** एवं **4** में से स्थूल एवं रेखांकित किन्हीं **चार** पदों का व्याकरणात्मक परिचय दें।

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **4597** **I**

Unique Paper Code : 2132202302

Name of the Paper : Gita and Upanisad, DSC-A3 & B3(A or B),

Name of the Course : **B.A. (P.) Sanskrit**

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit**, **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. According to the Srimad śrīmadbhagavadgītā, what does 'Karma Yoga' mean ? Describe it. 12

श्रीमद्भगवदगीता के अनुसार 'कर्मयोग' से क्या अभिप्राय है, वर्णन करें।

OR

अथवा

Present the essence of the īśāvāsyopanisad.

ईशावास्योपनिषद् का सार प्रस्तुत करें।

2. Explain any **two** of the following : 7+7=14

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या करें :

(a) मात्रास्पर्शस्तु **कौन्तेय** शीतोष्णसुखदुःखदाः।
आगमापायिनोऽनित्यास्तांस्तितिक्षस्व भारत।

(b) वासांसि जीर्णानि यथा **विहाय** नवानि गृहणाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही।।

(c) जातस्य हि **ध्रुवो** मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।
तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि।।

(d) त्रैगुण्यविषया वेदा निस्त्रैगुण्यो भवार्जुन।
निर्द्वन्द्वो नित्यसत्त्वस्थो निर्योगक्षेम **आत्मवान्**।।

3. According to the Bhagavad Gita, who is referred to as a "Sthitaprajna' ? Explain. 12

श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार ''स्थितप्रज्ञ' किसे कहा गया है, स्पष्ट करें।

OR

अथवा

Write a general introduction to the Upanishads.

उपनिषदों का सामान्य परिचय लिखें।

4. Explain any **two** of the following : 7+7=14

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या करें :

(a) ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां **जगत्** ।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्य स्विद्धनम् ।।

(b) कुर्वन्नेवेह **कर्माणि** जिजीविषेच्छतं समाः।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे।।

(c) यस्मिन्सर्वाणि भूतान्यात्मैवाभूद्विजानतः।
तत्र को मोहः **कः** शोक एकत्वमनुपश्यत :।।

(d) **हिरण्मयेन** पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् ।।
तत्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।